विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग - प्रथम विषय - हिंदी

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

दिनांक - 14 - 08- 2021

चींटी और हाथी

सुप्रभात बच्चों ,

आज की कक्षा में आपको चींटी और हाथी कहानी के बारे में अध्ययन करना है , जो इस प्रकार है –

एक चींटी हर रोज सुबह भोजन की तलाश में निकलती थी। परिवार की सभी चींटियाँ उसके पीछे-पीछे चलती थीं। वहीं एक हाथी रहता था। सभी जानवर उससे बहुत परेशान रहते थे। एक दिन चींटी ने हाथी से कहा-

''तुम दूसरों को बहुत सताते हो। यह बात ठीक नहीं है।''

''चुप रहो। तुम बहुत छोटी हो। ज्यादा बोलोगी तो तुम्हें कुचल दूँगा।'' हाथी क्रोध से बोला। चींटी चुप हो गई। फिर घास में छिप गई। हाथी इधर-उधर घूम रहा था। चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई।

अब चींटी ने हाथी को काटना शुरू किया। हाथी परेशान होने लगा। उसने सूँड़ को जोर-जोर से हिलाया। लेकिन कोई फायदा न हुआ।

चींटी हाथी को काटती रही। हाथी बहुत दुःखी हो गया। वह बोला-''मुझे माफ कर दो। अब मैं किसी को कभी नहीं सताऊँगा।''

चींटी को दया आ गई। वह हाथी की सूँड़ से बाहर निकल आई। फिर बोली-

''कभी किसी को छोटा और कमजोर नहीं समझना चाहिए।''

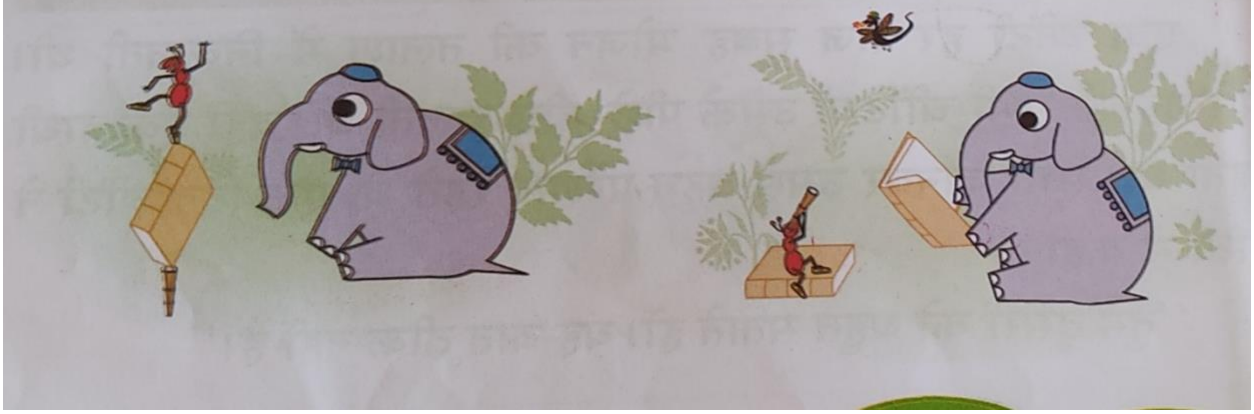

गृहकार्य :-

दिए , गए अध्ययन सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें –

****

ज्योति